



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 26 अप्रैल, 2026

जारी करने का समय: 1430 घंटे

- विषय: (i) अगले 3 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कुछ छिटपुट क्षेत्रों में ऊष्ण लहर चलने की संभावना है, जिसके बाद स्थिति में सुधार होगा।
- (ii) इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर-पूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ व्यापक से लेकर व्यापक वर्षा होने की संभावना है।
- (iii) इस सप्ताह के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तर-पूर्वी भारत में भी कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- (iv) अगले एक सप्ताह के दौरान पूर्वी भारत में, 28 अप्रैल से 2 मई के बीच उत्तर-पश्चिम भारत में, 27 से 30 अप्रैल के बीच मध्य भारत में और 28 से 30 अप्रैल के बीच दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भी गरज की संभावना है।

आज, 26 अप्रैल, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और बिहार में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर 50-110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; वहीं सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, तटीय महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड में छिटपुट स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।
- ❖ हिमाचल प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर लू से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और बिहार में भी छिटपुट स्थानों पर ऊष्ण लहर की स्थिति रही।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ छिटपुट इलाकों में भीषण गर्म रात तथा पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश और राजस्थान के कुछ छिटपुट इलाकों में गर्म रात की स्थिति बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र, पूर्वोत्तर भारत, पश्चिमी तट और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी भागों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम दैनिक तापमान 40-45°C के बीच रहा। कल बांदा (उत्तर प्रदेश) में अधिकतम तापमान 47.4°C दर्ज किया गया।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में अधिकतम दैनिक तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा; उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, विदर्भ, केरल और माहे में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा,

तेलंगाना, रायलसीमा, आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। जम्मू-कश्मीर और असम में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य के आसपास था।

- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, असम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और मिजोरम में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 13-19°C के बीच रहा। देश के मैदानी इलाकों के शेष भागों में यह 20-26°C के बीच था। आज भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.0°C नजीबाबाद (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दक्षिणी राजस्थान, बिहार और गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; दिल्ली, उत्तरी मध्य प्रदेश, झारखंड, गुजरात, मराठवाड़ा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और माहे में यह सामान्य से अधिक (1.6 से 3.0°C) रहा। जम्मू-कश्मीर, असम और मेघालय में तापमान सामान्य से नीचे (-3.0°C से -1.6°C) रहेगा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य के करीब रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक गर्त के रूप में पश्चिमी विक्षोभ लगभग 80° पूर्व देशांतर के अनुदिश 32° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ उत्तरपूर्वी झारखंड और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक से कोमोरिन क्षेत्र तक दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु से होते हुए निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त/पवन विच्छिन्नता स्थित है।
- ❖ आंतरिक महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक प्रतिचक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ मध्य प्रदेश के मध्य भागों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में पछुआ हवाओं में एक गर्त लगभग 89° पूर्व देशांतर के अनुदिश अक्षांश 20° उत्तर की ओर चलता है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 27 और 28 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद; हिमाचल प्रदेश में 28 से 30 अप्रैल के दौरान और उत्तराखंड में 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 27 अप्रैल से 2 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में छिटपुट से लेकर छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; उत्तर प्रदेश में 28 अप्रैल से 2 मई के दौरान; राजस्थान में 26 से 29 अप्रैल के दौरान भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 28 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में; उत्तराखंड में 28 और 29 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 26 से 30 अप्रैल के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 26 अप्रैल से 2 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में, 26 अप्रैल से 1 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, 27 अप्रैल और 30 अप्रैल से 2

मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में और 27 से 30 अप्रैल के दौरान असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ छत्तीसगढ़ में 26 से 30 अप्रैल के दौरान, मध्य प्रदेश में 27 से 30 अप्रैल के दौरान और विदर्भ में 28 से 30 अप्रैल के दौरान गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटे की रफतार से) चलने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 26 अप्रैल से 2 मई के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 26 अप्रैल से 2 मई के दौरान झारखंड और ओडिशा में, और 26 से 30 अप्रैल के दौरान बिहार में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 26 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 26 से 28 अप्रैल के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 26 और 28 अप्रैल को बिहार में, 26 से 29 अप्रैल के दौरान झारखंड में, और 27 और 28 अप्रैल को ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 26 और 28 अप्रैल को बिहार में छिटपुट भारी बारिश होने की संभावना है। 26 अप्रैल से 1 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश की संभावना है, साथ ही 28 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट रूप से बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- ❖ 26 और 27 अप्रैल को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ केरल और माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, कर्नाटक में 26 से 30 अप्रैल के दौरान और तेलंगाना में 26 अप्रैल से 2 मई के दौरान छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ केरल और माहे में 29 अप्रैल से 1 मई के दौरान भारी वर्षा की भी संभावना है।

पश्चिमी भारत

- ❖ 26 अप्रैल को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में गरज और बिजली के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 28 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; 29 और 30 अप्रैल को तापमान में 3-5°C की क्रमिक गिरावट और 1 और 2 मई को 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ मध्य भारत में 27 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 28 से 30 अप्रैल के दौरान तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ पूर्वी भारत में 26 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 27 अप्रैल से 1 मई के दौरान तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट होगी।

- ❖ उत्तर-पूर्वी भारत में 26 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 27 से 30 अप्रैल के दौरान तापमान में 3-4°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ महाराष्ट्र में 26 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद 27 अप्रैल से 1 मई के दौरान तापमान में 2-3°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ गुजरात राज्य में 28 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद 29 अप्रैल से 2 मई के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में भी अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में 26 अप्रैल और 27 अप्रैल को भीषण ऊष्ण लहर की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में 26 और 27 अप्रैल को, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, बिहार और गुजरात में 26 और 27 अप्रैल को, और पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 26 से 28 अप्रैल के दौरान ऊष्ण लहर की संभावना है।
- ❖ त्रिपुरा, तटीय महाराष्ट्र, गुजरात राज्य के तटीय क्षेत्रों और तटीय कर्नाटक के कुछ इलाकों में 26 अप्रैल को, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में 26 से 30 अप्रैल के दौरान, और केरल और माहे में 26 और 27 अप्रैल को गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।
- ❖ उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 26 अप्रैल को, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 26 और 27 अप्रैल को; छत्तीसगढ़ में 27 और 28 अप्रैल को गरम रात की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 26 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 26 अप्रैल से 1 मई तक उत्तरी ओडिशा, पश्चिम बंगाल के तटों, बांग्लादेश और उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों के आसपास; 27 से 29 अप्रैल तक ओडिशा के तटों और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के क्षेत्रों में न जाएं।
- ❖ अरब सागर: कोई चेतावनी नहीं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 26 अप्रैल से 29 अप्रैल 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

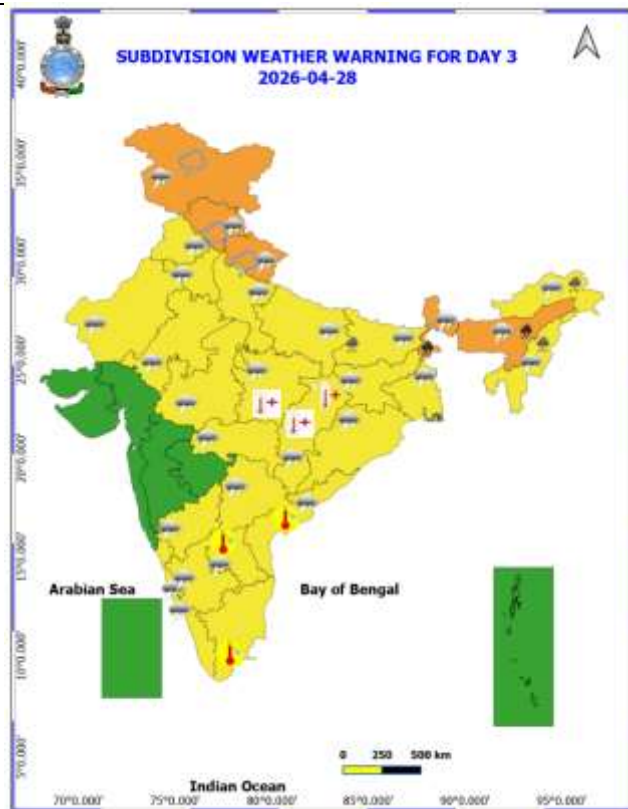
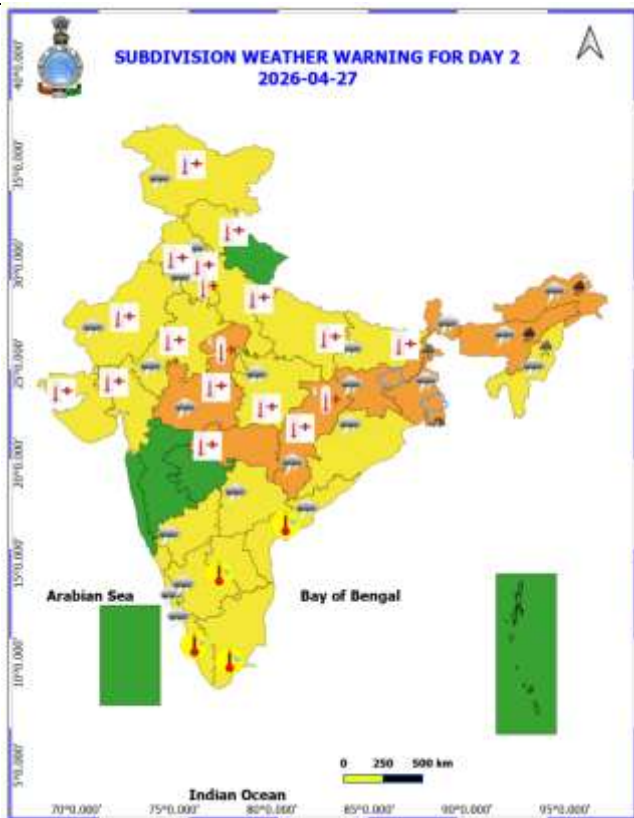
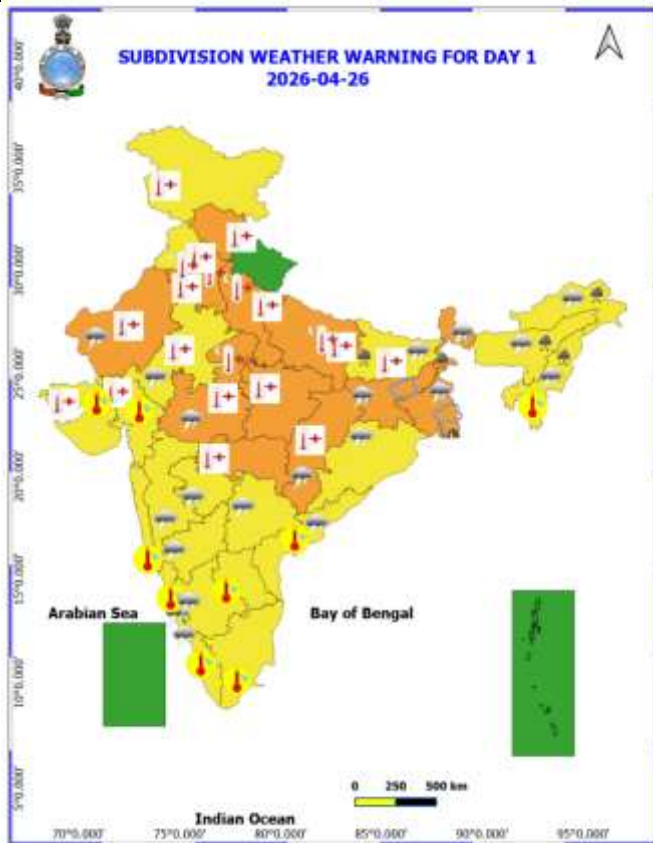
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: अलीपुरद्वार (जिला अलीपुरद्वार) 7, कूच बिहार (जिला कूच बिहार) 6;
- ❖ बिहार: ठाकुरगंज (जिला किशनगंज) 7

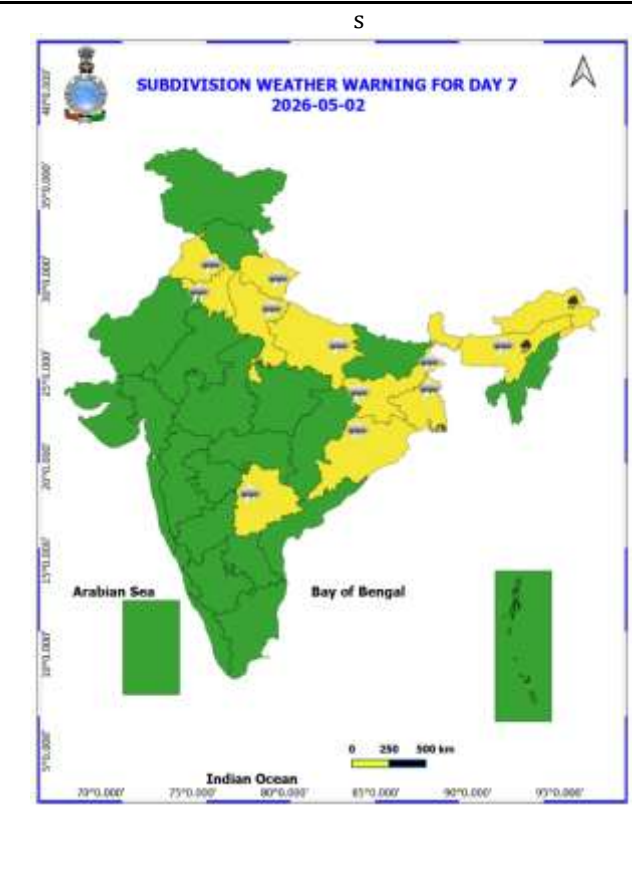
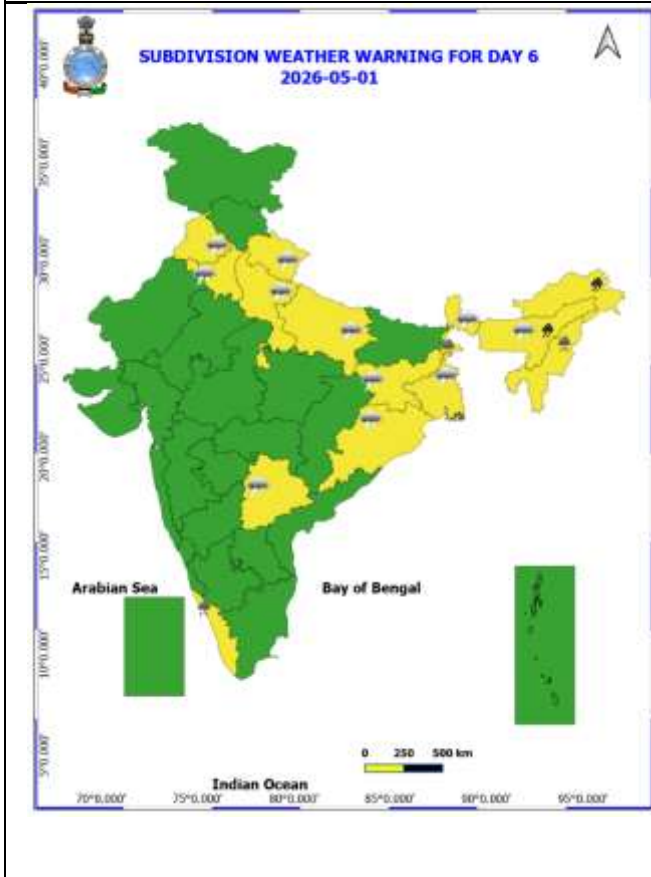
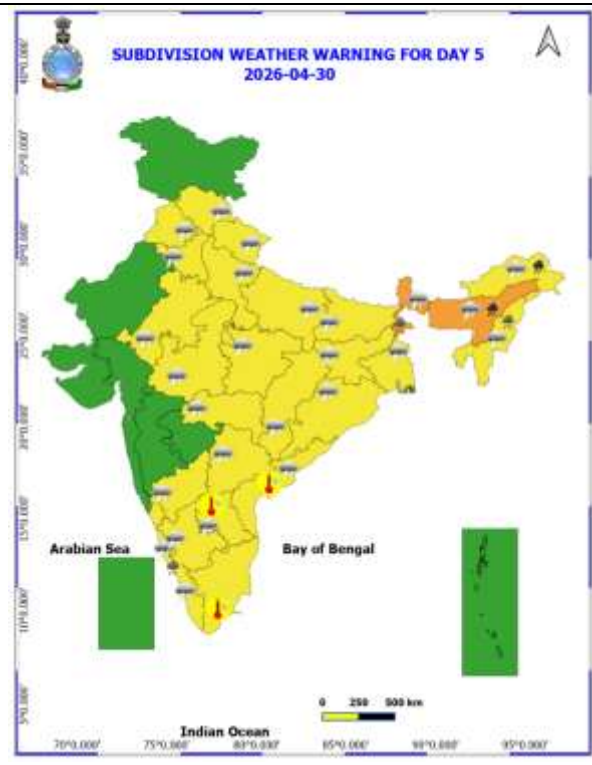
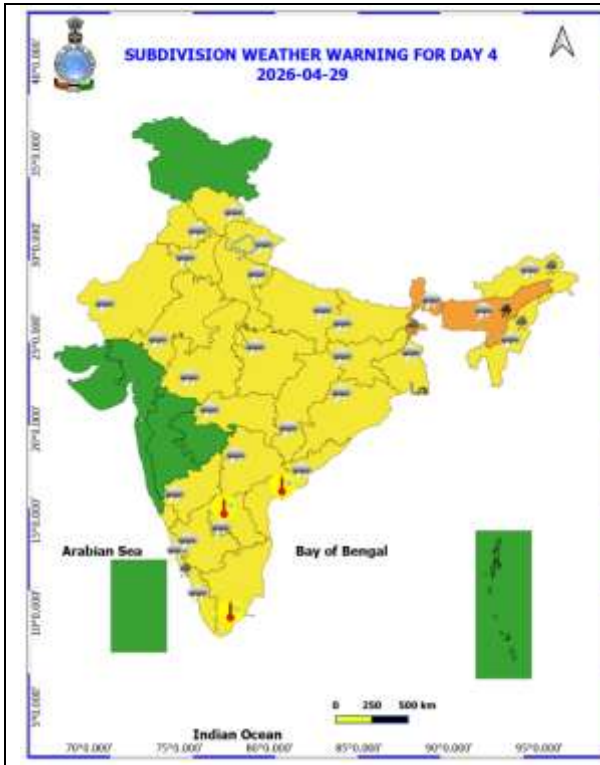
पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक) तेज हवाएं चल रही हैं (अधिकतम गति किमी प्रति घंटा में):

- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: हेजामारा 102, पानीसागर 87, नालकाटा 76, किफिरे 68, इंफाल 56, जिरीबाम 54, जलुकी 46, थोनोकन्यू 46, कामजोंग 46, नेरहेमा 41, चंदेल 37, खुउपम 35, तुजांगवाइचोंग 35, पोरोमपत 33, मोरेह 33;
- ❖ असम और मेघालय: करीमगंज 74, हाफलोंग 57, जोरहाट 54, वीसीबीसी_रानी 54, डिब्रूगढ़ 50, सिलचर_जेएनएस_कॉलेज 50, गुवाहाटी 48, बक्सा 48, गौहाटी_विश्वविद्यालय 46, काहिकुची 46, पंचग्राम 46, लखीमपुर 44, माजुली 41, शिवसागर 41, हाबांग_सर्कल 39, दीफू 37, अल्गापुर_सर्कल 37, रूपाई37, बिश्वनाथ_कॉलेज_ऑफ_एग्रीकल्चर_बिस्वनाथ_चरियाली 37, गुवाहाटी_सिटी35, कॉलेज_ऑफ_हॉर्टिक्यूलर_फार्मिंग_सिस्टम_रिसर्च 35, नेरीवालम 35, मारीगांव 33, अमिंगांव 33, बोको 33, सामागुरी 33, कचेर 31, ढेकियाजुली 31, मार्गेरिता 31, सलाकाती 31, उमलाफेर 31, शिलांग 63, मावीक्रावत 61;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: लेकांग 56, कांगकू 54, पाशीघाट 48, बोमडिला 44, डीड 44, योमचा 39, मियाओ 37, बसर 37, लॉन्गडिंग_न्यू 37, जीरो_मनिपोल्यांग 35, नामसाई 35, देवमाली 35, लॉन्गडिंग 31, दिरांग 31, रागा 31;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: कूचबिहार 61; पुंडीबारी 43;
- ❖ जम्मू-कश्मीर: रामबन 50, जम्मू (चट्टा) 31;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: सेओबाग 50;
- ❖ तमिलनाडु: नाथम_इसरो (डिंडीगुल) 50;
- ❖ झारखंड: गोड्डा 48;
- ❖ बिहार: शेखपुरा, सुखेत 41;
- ❖ तटीय महाराष्ट्र: कर्जत (रायगढ़) 35, अलीबाग 30;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: रीवा 35.
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: विल्होली (नासिक) 33, कलवान (नासिक) 31;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: सीहोर 30;
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: पोरबंदर 30

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	26- Apr	27- Apr	28- Apr	29- Apr	30- Apr	1- May	2- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
9	BIHAR	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

26 अप्रैल से 29 अप्रैल 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C तक और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की वृद्धि हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 43-44°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25-27°C की सीमा में रहे। न्यूनतम तापमान कुछ अलग-थलग स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहे। अधिकतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहे। दिल्ली के कई स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति महसूस की गई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा, जिसमें सतह पर हवा की गति 18 kmph तक रही और पश्चिमी दिशा से 33 kmph तक के झोंके चले। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और पश्चिमी दिशा से सतह पर हवा की गति 15 kmph तक रहने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

26.04.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, जो बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। दिल्ली के कुछ अलग-थलग स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर हवा की गति लगातार 20-30 kmph तक रहेगी और झोंकों के साथ 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 43°C से 45°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) और कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.0°C से 5.1°C) रहेंगे। दोपहर के समय सतह पर हवा की मुख्य दिशा उत्तर-पश्चिमी रहने की संभावना है, जिसमें हवा की गति 20 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान सतह पर हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिमी दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी। 27.04.2026: आसमान ज्यादातर साफ रहेगा, जो बाद में आंशिक रूप से बादल वाला हो जाएगा। दिल्ली के कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है। दोपहर/शाम के समय गरज-चमक के साथ बहुत हल्की बारिश होने की संभावना है। दिन के दौरान ज़मीन पर हवा की रफ़्तार 30-40 kmph रहेगी, जो झोंकों के साथ 50 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.0°C से 5.1°C) रहेगा, और दिल्ली के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से बहुत ज्यादा (5.1°C या उससे ज्यादा) रहेगा, जबकि ज्यादातर जगहों पर यह सामान्य से काफी ज्यादा (3.0°C से 5.1°C) रहेगा। ज़मीन पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार बढ़ेगी और पश्चिम दिशा से 20 kmph से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार कम होगी और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 kmph से कम हो जाएगी।

28.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा, जो बाद में आम तौर पर बादल वाला हो जाएगा। दिन के दौरान गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-40 kmph, झोंकों के साथ 50 kmph तक) के साथ बहुत हल्की बारिश/बूँदाबांदी होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40°C से 42°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, और दिल्ली के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा, जबकि कई जगहों पर यह सामान्य से ज्यादा (1.5°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन पर हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 18 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर 22 kmph तक हो जाएगी, और यह दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति घटकर 15 kmph तक हो जाएगी, और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

29.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो बाद में पूरी तरह से बादलों से घिर जाएगा। दिन के समय बहुत हल्की बारिश/बूटाबांदी के साथ-साथ गरज/बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं का एक दौर आ सकता है; हवा की गति 30-40 kmph तक पहुँच सकती है और झोंकों के साथ 50 kmph तक जा सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से अधिक (1.5°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर हवा की मुख्य दिशा दक्षिण-पूर्व रहने की संभावना है, और सुबह के समय हवा की गति 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर 20 kmph तक हो जाएगी, और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति बढ़कर 15 kmph तक हो जाएगी, और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

लू की स्थितियों के कारण अपेक्षित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

•चेतावनी: लू की स्थितियाँ अपेक्षित हैं; हालाँकि, तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। स्वास्थ्य के लिए मध्यम स्तर का जोखिम हो सकता है, विशेष रूप से कमजोर समूहों जैसे कि शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए।

•सलाह: लंबे समय तक गर्मी के संपर्क में रहने से बचें। हल्के वज़न वाले, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें।

छिटपुट तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 26 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 26 से 28 अप्रैल के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, 26 और 28 अप्रैल को बिहार में, 26 से 29 अप्रैल के दौरान झारखंड में और 27 और 28 अप्रैल को ओडिशा में गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ 26 और 27 अप्रैल को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में, 28 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में और 28 और 29 अप्रैल को उत्तराखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।

- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा/भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 27 अप्रैल और 30 अप्रैल से 2 मई के दौरान, असम और मेघालय में 27 से 30 अप्रैल के दौरान, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 26 अप्रैल से 2 मई के दौरान, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26 अप्रैल से 1 मई के दौरान, बिहार में 26 और 28 अप्रैल को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 26 अप्रैल से 1 मई के दौरान, और केरल और माहे में 29 अप्रैल से 1 मई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

ऊष्ण लहर के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ हिमाचल प्रदेश में 26 अप्रैल और 27 अप्रैल को कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में 26 और 27 अप्रैल को, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ, बिहार और गुजरात में 26 और 27 अप्रैल को, और पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 26 से 28 अप्रैल के दौरान ऊष्ण लहर की संभावना है।

अलर्ट क्षेत्र:

- ❖ लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और लू के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।
- ❖ शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों जैसे संवेदनशील लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- ❖ गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- ❖ जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, पत्ता गोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाली धान की किस्मों और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, मक्का, आदि खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों के खेतों में उचित जल निकासी करें।
- ❖ असम में फसलों के खेतों में जल जमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें। परिपक्व फसलों की तुरंत कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को सूखे एवं ढके हुए भंडार में सुरक्षित रखें। संवेदनशील नर्सरी बेड को ढकने के लिए प्लास्टिक शीट या अस्थायी जाल (नेट) का उपयोग करें।
- ❖ मेघालय में गाजर, भिंडी और फ्रेंच बीन की बुवाई को फिलहाल स्थगित करें। मक्का, अदरक और टमाटर के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। फसलों के गिरने से बचाव के लिए सहारा (स्टेकिंग/बांस का सहारा) प्रदान करें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, विशेष रूप से अदरक, टमाटर और डल्ले खुरसानी मिर्च के खेतों में जलभराव रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लौकी वर्गीय फसलें और डल्ले खुरसानी की नर्सरी को पॉलीथिन शीट या एगो-नेट से ढककर पौधों की सुरक्षा करें। इसके अतिरिक्त, अदरक के खेतों में वर्षा के सीधे प्रभाव को कम करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध मल्लिच सामग्री का उपयोग करें।
- ❖ बिहार में, सिंचाई, अंतर-कृषि संचालन और खड़ी फसलों में पौध संरक्षण उपायों और उर्वरकों के प्रयोग को स्थगित कर दें। जलभराव से बचने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें।
- ❖ केरल में, जलभराव से बचने के लिए खड़ी फसल वाले खेतों में पर्याप्त जल निकासी प्रदान करें, काटे गए पुंचा चावल को सूखे, ढके हुए गोदाम में ले जाएं, केले की रोपाईं स्थगित कर दें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ महाराष्ट्र - विदर्भ में ग्रीष्मकालीन मूंग, मूंगफली, प्याज, सूरजमुखी, तिल, चारा फसल, बागवानी फसलों और सब्जियों में सुबह-शाम के समय आवश्यकतानुसार हल्की और बार-बार सिंचाई करें। वाष्पीकरण को कम करने के लिए सब्जी और बगीचे की फसलों में पुआल बिछाकर मल्लिच करें, और नई बोई गई फसलों के लिए शेड नेट लगाएं।
- ❖ गुजरात - सौराष्ट्र और कच्छ, ग्वार, खीरा, तोरई, लौकी, और करेला जैसी फसलों में सुबह या शाम के समय हल्की और बार बार सिंचाई करें। मूंगफली में फूल आने और-गांठ बनने की अवस्था पर सिंचाई करें।
- ❖ मध्य प्रदेश - मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों को आवश्यकतानुसार नियमित रूप से सिंचाई करें।
- ❖ छत्तीसगढ़ - रबी मक्का, केला और पपीते की फसलों में निराई-गुड़ाई के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें और उपज का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश - गेहूं, सरसों, बागवानी तथा टमाटर, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी, फूलगोभी, फ्रेंच बीन, खीरा, करेला, लौकी आदि सब्जी फसलों में आवश्यकता के अनुसार सिंचाई करें।
- ❖ पंजाब और हरियाणा - ग्रीष्मकालीन मूंग, कपास, सब्जियां, आम, अमरूद और लोकाट जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई प्रदान करें।
- ❖ उत्तर प्रदेश - संकर मक्का, जायद काला चना, हरा चना, सब्जियों और गन्ने जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई प्रदान करें।

- ❖ **राजस्थान** - जायद मूंग, अमेरिकी कपास और देसी कपास, भिंडी, तरबूज, खरबूजा, टिंडा, ककड़ी और तरबूज जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई प्रदान करें।
- ❖ **जम्मू और कश्मीर** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें, फलों के पौधों को उच्च तापमान से बचाने के लिए अस्थायी छाया जाल का उपयोग करें।
- ❖ खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए मल्लिचंग का प्रयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को ठीक से बांधकर ढक दें ताकि तेज हवाओं के कारण उनके खिसकने का खतरा कम हो सके।
- ❖ बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ❖ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- ❖ चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- ❖ उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- ❖ तटीय राज्यों (विशेषकर केरल) में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

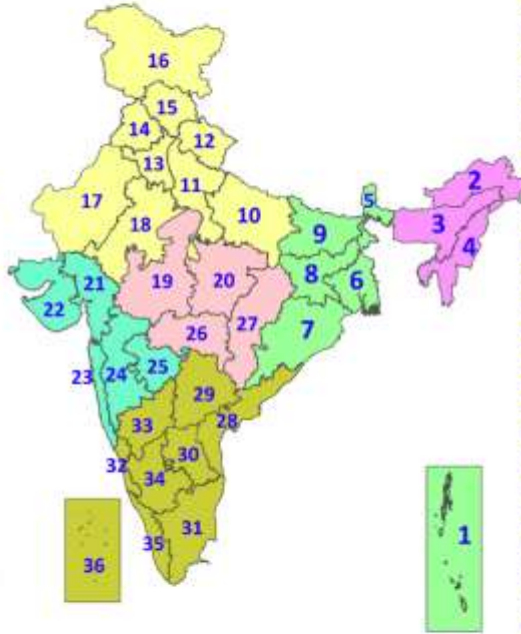
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 - knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)